विषय : सामाजिक विज्ञान

कक्षा–10

इसमें एक लिखित प्रश्नपत्र–70 अंकों का एवं 30 अंकों का प्रोजेक्ट कार्य होगा।

इकाई		अंक
I	भारत और समकालीन विश्व–2 (इतिहास)	20
II	समकालीन भारत –2 (भूगोल)	20
III	लोकतांत्रिक राजनीति–2 (नागरिकशास्त्र)	15
IV	आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)	15
	योग	**70**
	प्रोजेक्ट कार्य	30
	योग	**100**

इकाई–1 (इतिहास)

भारत और समकालीन विश्व–2 **20 अंक**

खण्ड–1

घटनायें और प्रक्रियायें–

(1) यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय– **08 अंक**

1. 1830 ई0 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय
2. जोसेफ मेत्सिनी आदि के विचार
3. पोलैण्ड, हंगरी, इटली, जर्मनी और ग्रीस आन्दोलन की सामान्य विशेषताएँ।

(2) भारत में राष्ट्रवाद

1. प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव, खिलाफत, असहयोग एवं विभिन्न आन्दोलनों के मध्य विचारधारायें।
2. नमक सत्याग्रह।
3. जनजातियों, श्रमिकों एवं किसानों के आन्दोलन।
4. सविनय अवज्ञा आन्दोलन की सीमायें।
5. सामूहिक अपनत्व की भावना।

खण्ड–2

जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

(3) भूण्डलीकृत विश्व का बनना–

1. पूर्व आधुनिक विश्व
2. उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) विश्व अर्थव्यवस्था (उपनिवेशवाद) **खण्ड–2 और खण्ड–3**
3. महायुद्धों के मध्य अर्थव्यवस्था आर्थिक महामंदी (घोर निराशा) **07 अंक**
4. विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण (वैश्वीकरण की शुरूआत)

(4) औद्योगीकरण का युग–

1. औद्योगिक क्रान्ति से पहले एवं औद्योगिक परिवर्तन की गति
2. उपनिवेशों में औद्योगीकरण
3. प्रारम्भिक उद्यमी और कामगार
4. औद्योगिक विकास का अनूठापन
5. वस्तुओं के लिये बाजार

खण्ड–3
रोजाना की जिन्दगी, संस्कृति और राजनीति

(5) **मुद्रण संस्कृति और आधुनिक विश्व–**

1.यूरोप में मुद्रण का इतिहास।
2.19वीं सदी में भारत में प्रेस का विकास।
3.राजनीति, सार्वजनिक विवाद और मुद्रण संस्कृति में सम्बन्ध।

(6) **मानचित्र कार्य–** 05 अंक

इतिहास : भारत का रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र

अध्याय–3 : भारत में राष्ट्रवाद – (1918–1930)

दर्शाना और नामांकन/पहचान।

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन :

कलकत्ता (सितम्बर, 1920)

नागपुर (दिसम्बर, 1920)

मद्रास (1927)

लाहौर (1929)

2. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के महत्वपूर्ण केन्द्र (असहयोग आन्दोलन और सविनय अवज्ञा आन्दोलन)

(i) चम्पारण (बिहार)– नील की खेती करने वाले किसानों का आन्दोलन।

(ii) खेड़ा (गुजरात) –किसान सत्याग्रह।

(iii) अहमदाबाद (गुजरात)– सूती मिल श्रमिकों का सत्याग्रह।

(iv) अमृतसर (पंजाब) – जालियांवाला बाग कांड।

(v) चौरी–चौरा (उत्तर प्रदेश)– असहयोग आन्दोलन का उद्घोष।

(vi) डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–2 : समकालीन भारत–2 (भूगोल) 20 अंक

इकाई–1 09 अंक

1– <u>संसाधन एवं विकास–</u> संसाधनों का विकास, संसाधन नियोजन, भू–संसाधन, भू–उपयोग, भारत में भू–उपयोग प्रारूप, भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय, मृदा संसाधन, मृदाओं का वर्गीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण।

2– <u>वन एवं वन्य जीव संसाधन–</u> भारत में वनस्पतिजात और प्राणिजात, भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण, वन और वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण, समुदाय और वन संरक्षण।

https://www.evidyarthi.in/

3– <u>जल संसाधन</u>–जल दुर्लभता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता, बहुद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन, वर्षा जल संग्रहण।

4– <u>कृषि</u>–कृषि के प्रकार, शस्य प्रारूप (मुख्य फसलें–चावल, गेहूँ, मोटे अनाज–बाजरा, मक्का, दालें) खाद्यान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसले गन्ना, तिलहन, चाय, कॉफी बागवानी फसलें, अखाद्य फसलें, रबड़, रेशेदार फसले, कपास, जूट, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार।

इकाई–2 **06 अंक**

5– <u>खनिज तथा ऊर्जा संसाधन–</u> खनिज क्या हैं? खनिज की उपलब्धता, लौह खनिज (लौह अयस्क, मैंगनीज) अलौह खनिज (ताँबा, बॉक्साइट) अधात्विक खनिज (अभ्रक, चट्टानी खनिज) खनिजों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधन परंपरागत –पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, कोयला, विद्युत। गैर परम्परागत स्रोत– परमाणु अथवा आणविक ऊर्जा, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, ज्वारीय ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, संसाधनों का संरक्षण ।

6– <u>विनिर्माण उद्योग–</u> विनिर्माण का महत्व, कृषि आधारित उद्योग– वस्त्र उद्योग (सूतीवस्त्र, पटसन), चीनी उद्योग, खनिज आधारित उद्योग (लोहा तथा इस्पात उद्योग) एल्यूमिनियम प्रगलन, रसायन उद्योग, उर्वरक उद्योग, मोटरगाड़ी उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रानिक उद्योग, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण (विभिन्न प्रकार के प्रदूषण) पर्यावरण निम्नीकरण की रोकथाम ।

7– <u>राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखायें–</u> परिचय, परिवहन, स्थल परिवहन (रेल परिवहन, सड़क परिवहन, पाइपलाइन परिवहन) जल परिवहन, प्रमुख समुद्री पत्तन, वायु परिवहन संचार सेवायें, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन एक व्यापार के रूप में।

<u>मानचित्र कार्य–</u>भारत के मानचित्र पर 1 से लेकर 7 अध्यायों से सम्बन्धित सभी मानचित्र कार्य । **05 अंक**

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–3 : <u>लोकतांत्रिक राजनीति–2</u> (नागरिक शास्त्र) **15 अंक**

इकाई–1 **09 अंक**

अध्याय–1 एवं 2

सत्ता की साझेदारी एवं संघवाद– लोकतांत्रिक देशों में सत्ता की साझेदारी क्यूँ और कैसे? कैसे शक्ति का संघीय विभाजन राष्ट्रीय एकता में सहायक रहा है? किस सीमा तक विक्रेन्द्रीकरण ने इस उद्देश्य की पूर्ति की है? लोकतंत्र किस प्रकार से विभिन्न सामाजिक समूहों को समायोजित करता है?

अध्याय–3 जाति, धर्म और लैंगिक मसले–

क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभाजन निहित है? जाति का राजनीति और राजनीति का जाति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? किस प्रकार से लैंगिक भिन्नता भेद ने राजनीति को प्रभावित किया है? किस प्रकार साम्प्रदायिक विभाजन लोकतंत्र को प्रभावित करता है?

इकाई–2 **06 अंक**

अध्याय–4 राजनीतिक दल–

प्रतियोगिता और प्रतिवाद (संघर्ष) में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है? भारत में प्रमुख राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल कौन–कौन से हैं?

2. **अध्याय–5**

लोकतंत्र के परिणाम–

क्या लोकतंत्र को उसके परिणामों से आँकलित किया (परखा) जा सकता है या किया जाना चाहिए?

कोई भी व्यक्ति लोकतंत्र से क्या तार्किक अपेक्षाएँ कर सकता है? क्या भारतीय लोकतंत्र इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है?
क्या लोकतंत्र लोगों के विकास, सुरक्षा और गरिमा को बनाये रखने की ओर अग्रसर रहा है?
भारत के लोकतंत्र को किसने जीवित रखा है? (अथवा किसने भारतीय लोकतंत्र को बनाये रखा है?)

इकाई–4 : आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र) 15 अंक
इकाई–1 09 अंक

1. **विकास** : विकास की पारम्परिक अवधारणा; राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय। आय और अन्य लक्ष्य, औसत आय, आय और अन्य मापदण्ड, शिशु मृत्यु दर, विकास की धारणीयता।
2. **भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक–** आर्थिक क्रियाओं के क्षेत्र; क्षेत्रों में ऐतिहासिक परिवर्तन; तृतीयक क्षेत्र का बढ़ता महत्व; रोजगार सृजन; कार्यक्षेत्रों का विभाजन– संगठित तथा असंगठित, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के संरक्षण के उपाय।
3. **मुद्रा तथा साख** – अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिकाः बचत तथा साख के लिये औपचारिक एवं अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ– सामान्य परिचय; किसी एक औपचारिक संस्थान जैसे कोई राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक बैंक तथा कुछ अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों का चयन किया जाय; स्थानीय साहूकार, जमींदार, चिट फण्ड तथा निजी वित्तीय कम्पनियाँ।

इकाई–2 06 अंक

4. **भूमंडलीकरण तथा भारतीय अर्थव्यवस्था (वैश्वीकरण)–** विभिन्न देशों में उत्पादन, विदेशी व्यापार तथा विभिन्न बाजारों का आपस में जुड़ना, वैश्वीकरण क्या है? कारक, विश्व व्यापार संगठन (WTO) प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण।

5. **उपभोक्ता अधिकार** – उपभोक्ता का शोषण कैसे होता है (एक या दो साधारण केस अध्ययन), उपभोक्ताओं के शोषण के कारण; उपभोक्ता जागरूकता का उदय; बाजार में उपभोक्ता को कैसा होना चाहिए ? उपभोक्ता संरक्षण में सरकार की भूमिका।

प्रोजेक्ट कार्य / गतिविधि

- शिक्षार्थी भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की वेशभूषा तथा विशिष्ट ग्रामीण भवनों के छायाचित्र एकत्र कर सकते हैं तथा यह परीक्षण कर सकते हैं कि क्या यह उस क्षेत्र की जलवायवीय परिस्थितियों तथा भू–आकृति (Relief) से कोई सम्बन्ध प्रदर्शित करते हैं।
- शिक्षार्थी पिछले दशक में खेती की पद्धति में आए परिवर्तनों तथा गाँव में प्रचलित विभिन्न सिंचाई की विधियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट लिख सकते हैं।

पोस्टर–

- क्षेत्र में जल प्रदूषण।
- वनों का संरक्षण तथा ग्रीनहाउस प्रभाव

नोट– कोई समान गतिविधि भी चुनी जा सकती है।

प्रोजेक्ट कार्य

1–(क) महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं दिव्यांगों की सुरक्षा से सम्बन्धित प्रोजेक्ट कार्य।

(ख) वर्तमान समस्या–जैसे यातायात सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा, दिव्यांगजनों की सुरक्षा से सम्बन्धित कुछ घटनाओं को एकत्रित कर उसे लिखना तथा समस्या से बचाव हेतु सुझाव लिखना, तथा सरकारी हेल्पलाइनों की जानकारी प्राप्त करना।

(ग) भारत के स्वाधीनता संग्राम में महिलाओं के योगदान की सूची बनाना।

(घ) भूगोल में स्थानीय पर्यावरणीय समस्याओं की सूची बनाना तथा निदान के उपाय ढूँढना।

(ङ) स्थानीय स्तर पर दिव्यांगों, एवं वृद्धों की सूची बनवाना तथा उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को समझाना और उसे लिपिबद्ध करना।

(च) नगरों में वर्तमान पर्यावरणीय समस्याओं की सूची बनाना तथा उससे बचने के कुछ उपाय लिखना आदि।

https://www.evidyarthi.in/

(छ) नगरों में बुजुर्ग दम्पत्तियों के साथ होने वाली कुछ घटनाओं का उल्लेख एवं बचाव के उपाय लिखना आदि।

2—लोकप्रिय संघर्ष तथा आन्दोलन

शिक्षक अपने विवेकानुसार पाठ्यक्रम से संबंधित प्रोजेक्ट छात्र/छात्रा को दे सकता है।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु अंक वितरण :

5.	विषयवस्तु की मौलिकता तथा उसकी शुद्धता	—	1 अंक
6.	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	—	1 अंक
7.	प्रोजेक्ट पूरा करने की प्रक्रिया — पहल करना, सहयोगिता, सहभागिता तथा समयबद्धता	—	1 अंक
8.	विषयवस्तु आत्मसात करने हेतु मौखिक अथवा लिखित परीक्षा	—	2 अंक

<u>शैक्षिक सत्र 2023—24 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u> **30अंक**

1—प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा— (प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2—द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा—(प्रोजेक्ट कार्य /गतिविधि)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3—चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) — मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) — जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) — नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) — दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।